द बिशप्स को-एड. स्कूल, उंड्री

(अंतर सदन हिन्दी वाग्मिता प्रतियोगिता -उत्तम वक्तृत्व शक्ति)

विवरण - २०२३ - २०२४

कक्षा- ९ एवं १०

" शब्द,नाद,लिपि से भी आगे,
एक भरोसा अनुपम है।
गंगा-कावेरी की धारा,
साथ मिलाती हिंदी है।"

द बिशप्स को एड स्कूल,उंड्री में " वसुधैव कुटुंबकम " की भावना व विचार को ध्यान में रखते हुए सभी भाषाओं को समुचित मान तथा स्थान दिया जाता है। कहानी और नाटक किसी भी भाषा की अभिव्यक्ति की सुंदरतम विधा है। हिंदी हमारी राजभाषा है और हिंदी भाषा के गौरवशाली परंपरा को आगे बढ़ाते हुए हमारे विद्यालय में कक्षा नवीं एवं दसवीं के छात्रों द्वारा अंतर सदन हिंदी वाग्मिता प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।

इस हिंदी वाग्मिता प्रतियोगिता का आयोजन माननीय प्रधानाचार्य परमश्रद्धेय श्रीमान लुक जी, मुख्याध्यापक श्रीमान रसल जी, समन्वयिका श्रीमती कुरियन जी के नेतृत्व में सफल हुआ।

वाग्मिता प्रतियोगिता को दो चरणों में विभाजित किया गया - गद्य एवं एकल अभिनय।

वाग्मिता प्रतियोगिता का शुभारंभ हमारे माननीय मुख्ध्यापक श्रीमान रसल जी ने प्रार्थना से किया। तत्पश्चात दसवीं कक्षा की छात्रा अरनका कोडे और कनक देवारे ने माननीय निर्णायक गण श्रीमती अंजली शर्मा जी एवं श्रीमान शिवराज पाटिल जी का परिचय दिया व उपस्थित सभी गणमान्य का स्वागत किया। इसके उपरांत कक्षा दसवीं की छात्रा अश्विका अगरवाल ने सफलतापूर्वक कार्यक्रम का संचालन किया। कक्षा दसवीं की छात्रा तन्वी कोठारी ने

पावरप्वाइंट प्रस्तुतीकरण में सहायता की तथा कक्षा नवीं की छात्रा परी साहू ने आभार व्यक्त किया

इस प्रकार बड़े ही सुचारू रूप से कार्यक्रम समाप्त हुआ।

निर्णायक गण

<u>**श्रीमती अंजली शर्मा-**</u>

श्रीमती अंजली शर्मा जी पंजाब से हैं। इन्होंने मनोविज्ञान में एम. फिल, हिन्दी में स्नातकोत्तर और बी.एड.की डिग्री कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय से अर्जित की है। इन्हें राजस्थान और हरियाणा के विद्यालयों में पढ़ाने का १९ वर्षों का अनुभव रहा है। ये क्लाइन मेमोरियल स्कूल, पुणे की १० वर्षों तक वरिष्ठ विभाग की समन्वयिका और हिंदी विभाग की अध्यक्षा रही है। २०१५ से बिशप्स स्कूल, कैंप के वरिष्ठ विभाग में हिंदी अध्यापिका के रूप में कार्यरत है।

१९८२ के एशियन खेलो के सांस्कृतिक कार्यक्रमों में इन्होंने भाग भी लिया है। धावक होने के साथ-साथ इन्होंने ताइकांडो में राष्ट्रीय स्तर पर स्वर्ण पदक हासिल किया है।

श्रीमान शिवराज पाटिल

श्रीमान शिवराज पाटिल जी एम.ए.एम फिल है ।आपने अपनी विद्यालयीन में पढ़ाई गुरु विरजानंद गुरुकुल, करतारपुर (पंजाब) से की है। स्नातक की पढ़ाई गुरुकुल कांगड़ी विश्वविद्यालय, हरिद्वार से की है। जिसमें आप ने स्वर्ण पदक हासिल किया है। स्नातकोत्तर संस्कृत विषय में किया है। आप संपूर्ण विश्वविद्यालय में प्रथम रहे और उसने भी आप ने स्वर्ण पदक प्राप्त किया। आपने अपने विद्यार्थी जीवन में बहुत सारे भाषण और श्लोक प्रतियोगिताओं में भाग लिया। विगत १४ वर्षों से आप अध्यापन के

क्षेत्र में कार्यरत है। भारती विद्यापीठ इंग्लिश मीडियम स्कूल, पुणे में आप 'इंक्रेडिबल भारतीएन्स'पत्रिका के ४ साल तक मुख्यसंपादक रहे हैं। आप आर्मी पब्लिक स्कूल, सेंट हेलेनाज स्कूल आदि विद्यालयों में निर्णायक मंडल के सदस्य रहे। आप कविता और नाटक लिखने में बहुत रुचि रखते हैं।

मुख्यअध्यापक माननीय श्रीमान रसल जी द्वारा परिणाम की घोषणा इस प्रकार से हुई:-

कक्षा	चरण	विजेता का नाम	सदन
९	गद्य	नित्या नंदा	विंटल
१०	एकल अभिनय	तमजीदूल हक	ओ 'कानर

मानानीय मुख्याध्यापक श्रीमान रसल जी परिणाम की घोषणा करते हुए।

सदनीय परिणाम

सदन	स्थान
ओ कानर सदन,विंटल सदन	प्रथम
रे सदन	द्वितीय
यंग सदन	तृतीय

कार्यक्रम के अंत में नवीं कक्षा की छात्रा परी साहू ने सभी का हार्दिक आभार व्यक्त किया जिन्होंने इस प्रतियोगिता को सफल बनाने में योगदान दिया। इस तरह सुचारू रूप से कार्यक्रम समाप्त हुआ।

द्वारा सतीश गुत्ते

अरंका कोदे एवं कनक देवारे कार्यक्रम का संचालन करती हुई।

मुख्याध्यापक श्रीमान रसल जी,समन्वयिका श्रीमती कुरियन जी प्रतियोगिता का आनंद लेते हुए।

विजेता नित्या नंदा एवं तमजीदूल हक निर्णायक गण, मुख्याध्यापक श्रीमान रसल जी एवं समन्वयिका श्रीमती कुरियन जी के साथ।

हिंदी वाग्मिता प्रतियोगिता के सभी प्रतियोगी,निर्णायक गण,मुख्याध्यापक श्रीमान रसल जी,समन्वयिका श्रीमती कुरियन जी, श्रीमान फोंसेका, सारणीकार श्रीमती शेख जी,श्रीमान जव्हेरी, संगणक अध्यापिका श्रीमती मसीह, श्रीमती थोरात जी एवं हिंदी अध्यापकगण ।

प्रतियोगिता...के कुछ क्षण।

नहीं
को
३

४

अज्ञात
जगह हम क्यों
है लड़ने के से
उनसे लड़ने है।

में पन्ना धाय
का बलिदान कर

भगत
भगत
हँसते
३

४

कक्षा नौवीं की छात्रा परी साहू आभार व्यक्त करती हुई।